

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस होना फेसबुक प्लेटफॉर्म

डिजिटल दृष्टि

01 कंपनी का दावा है कि उनका ये एआई सिस्टम प्रतिदिन एक अरब से ज्यादा आपत्तिजनक तस्वीरों की पहचान करने में सक्षम होगा।



भारत में फेसबुक के 24.1 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। हाल ही देश में मॉब लिचिंग की घटनाओं और तेजी से फैलती अफवाहों को देखते हुए फेसबुक भी इसकी साइट पर शेयर किए जाने वाले मीम्स, तस्वीरों और कार्टूनों पर रोक लगाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए फेसबुक एक बेहद उच्च क्षमता का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस प्रोग्राम बना रहा है।

कंपनी की ओर से हाल ही में एआई प्रोग्राम को गति देने के लिए पूरी दुनिया भर में 8 बड़ी लैब तैयार

की गई हैं। इन लैब में 170 से ज्यादा एआई एक्सपर्ट्स इंजीनियर और वैज्ञानिकों की टीम मिलकर इसकी रिसर्च डिवीजन का विस्तार करेंगे। इसमें रोबोटिक्स व वर्चुअल एनिमेशन शामिल होंगे।

फेसबुक के मुख्य एआई वैज्ञानिक यान लीकुन ने कहा कि उनका शुरुआती एआई सिस्टम अब भी अफवाहों और झूठी खबरों को पहचानने में सक्षम नहीं है। कंपनी अपने 2 खरब से ज्यादा उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और मानकों पर खरी तकनीक उपलब्ध करवाना चाहता है।

कैसे काम करेगा

फेसबुक का एआई सिस्टम मशीन लर्निंग के जरिए आपत्तिजनक तस्वीरों, टेक्स्ट, अथवा वीडियो को अलग-अलग आईडेंटिफाई कर सकेगा। ऐसा करने के पीछे फेसबुक का उद्देश्य ऑफेंसिव कंटेंट की पहचानकर आगे बढ़ने से रोकना है। ऐसी किसी सामग्री में फेसबुक की पॉलिसी का उल्लंघन पाए जाने पर उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। इसके लिए एआई प्रोग्राम कंटेंट के डेटा का मिलान पॉलिसी गाइडलाइन से करेगा।